वनस्थली विद्यापीठ में ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का शुभारंभ

ओम बिरला ने महिला नेतृत्व को विकास की धुरी बताया

जयपुर। वनस्थली विद्यापीठ में 21 नवंबर को ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का भव्य शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर ब्रिक्स देशों सहित विभिन्न देशों से आई महिला प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि महिलाओं का आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता वैश्विक चुनौतियों के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं सामाजिक परिवर्तन की कर्णधार हैं और विकसित भारत के निर्माण में उनकी भागीदारी निर्णायक है।

- वनस्थली विद्यापीठ में वनस्थली सेंटर फॉर ग्लोबल वुमेन लीडरशिप की स्थापना की घोषणा



लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ब्रिक्स महिला नेतृत्व शिखर सम्मेलन का शुभारंभ किया। इस दौरान विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, प्रो. ज्योति पारीक उपस्थित रहे।

बिरला ने कहा कि भौगोलिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियों में भिन्नता के बावजूद सभी देश कई साझा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिनके समाधान के लिए आपसी सहयोग आवश्यक है। उन्होंने वैश्विक शांति, स्थिरता और तकनीकी विकास पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और महिला उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में मानव कल्याण के लिए किया जाना चाहिए।

उन्होंने महिला सशक्तीकरण से आगे बढ़कर महिला नेतृत्व वाले विकास की अवधारणा को साकार करने का आव्हान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री ने कहा कि वनस्थली विद्यापीठ पिछले कई दशकों से महिला नेतृत्व के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम में वनस्थली विद्यापीठ में वनस्थली सेंटर फॉर ग्लोबल वुमेन लीडरशिप की स्थापना की घोषणा भी की गई।कार्यक्रम में विद्यापीठ के अध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री, प्रो. ज्योति पारीक सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

ग्रामीण नतीजों ने खोली भाजपा की सियासी कमजोरियां, हार के कारणों की होगी पड़ताल

जयपुर। सत्ता में होने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में मतदाताओं का बदला रुख भाजपा के लिए आत्ममंथन का विषय बन गया है। पंचायत चुनाव के नतीजों ने पार्टी के सामने सिर्फ सीटों का गणित नहीं, बल्कि संगठन की जमीनी पकड़ और सरकार के प्रति ग्रामीण मतदाताओं की धारणा से जुड़े कई सवाल खड़े कर दिए हैं। शहरी निकाय चुनावों में मिली सफलता के बाद पंचायत चुनाव में कांग्रेस का बेहतर प्रदर्शन भाजपा के लिए राजनीतिक संकेत माना जा रहा है। चुनावी नतीजों के बाद अब पार्टी के भीतर इस बात की पड़ताल शुरू हो गई है कि आखिर ग्रामीण क्षेत्रों में समीकरण क्यों बदले? क्या यूजीसी विवाद से सामान्य वर्ग के एक हिस्से में पैदा हुई नाराजगी ने परंपरागत वोट बैंक को प्रभावित किया, या फिर विधायकों की टिकट वितरण में मनमानी, स्थानीय स्तर पर जनप्रतिनिधियों के प्रति असंतोष और संगठनात्मक समन्वय की कमी ने पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित किया? इन सभी पहलुओं को लेकर भाजपा में समीक्षा की तैयारी है। पार्टी जल्द ही चुनाव परिणामों का विश्लेषण कर केंद्रीय नेतृत्व को रिपोर्ट सौंपेगी।

- सत्ता-संगठन के तालमेल पर उठे सवाल, केंद्रीय नेतृत्व को सौंपी जाएगी रिपोर्ट

पंचायत चुनाव के नतीजों ने भाजपा के भीतर कई स्तरों पर जवाबदेही का सवाल खड़ा किया है। सरकार की योजनाओं और संगठन की सक्रियता के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने से चुनावी रणनीति पर पुनर्विचार की जरूरत महसूस की जा रही है। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि ग्रामीण मतदाताओं का फैसला केवल प्रदेश सरकार के कामकाज पर आधारित नहीं था। इसमें स्थानीय विधायकों की सक्रियता, पंचायत स्तर के नेतृत्व की स्वीकार्यता, प्रत्याशियों की व्यक्तिगत छवि और जातीय-सामाजिक समीकरणों की भी भूमिका रही।

भाजपा के कमजोर प्रदर्शन के विश्लेषण में यूजीसी विवाद भी प्रमुखता से सामने आया है। यूजीसी के प्रावधानों को लेकर सामान्य वर्ग के एक हिस्से में असंतोष और यूजीसी रोलबैक की मांग को लेकर सामाजिक संगठनों की सक्रियता को पार्टी के परंपरागत वोट बैंक से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके साथ ही ईडब्ल्यूएस आरक्षण की प्रक्रिया सरल बनाने, स्वर्ण आयोग के गठन और सामान्य वर्ग के लिए अलग कानून जैसी मांगों पर अपेक्षित पहल नहीं होने की बात भी उठ रही है।

सार-समाचार

'महिला सुरक्षा के अधिकार' विषय पर जागरूकता कार्यशाला आयोजित



जयपुर । महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजकीय कन्या महाविद्यालय, विद्याधर नगर, जयपुर में मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के सीडलिंग स्कूल ऑफ़ लॉ एंड गवर्नेंस के संयुक्त तत्वावधान में महिला सुरक्षा एवं उसके अधिकार विषय पर विधिक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई । कार्यक्रम में लगभग 200 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने विषय में रुचि दिखाई तथा कानूनी जागरूकता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर में वरिष्ठ आचार्य व चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा मिशन संबल के तहत महिलाओं और बालिकाओं को उनके क़ानूनी एवं संवैधानिक अधिकारों से जोड़ने, सुरक्षित, समान और सशक्त जीवन के लिए समग्र पहल है। महासचिव दुर्गा वर्मा ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि प्रत्येक महिला और बालिका को अपने कानूनी अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण के उपायों की जानकारी भी होनी चाहिए। जागरूकता ही आत्मविश्वास और सुरक्षित समाज की नींव है। कार्यक्रम में डॉ. रेनुका राठौड़, डॉ. ज्ञान भारती, डॉ. प्रिंसी वर्मा, डॉ. निहारिका, डॉ. सुमन ढाका, किरण मीना, दुर्गा वर्मा, दिव्या किरार सहित अन्य गणमान्य महानुभव उपस्थिति रहे ।

दिवाली मिलन समारोह आयोजित



जयपुर। सी स्कीम के एक होटल में पिंक क्लब ने दिवाली मिलन समारोह आयोजित किया । थीम के मुताबिक सब महिलाये अपनी राशि के परिधानों बैंगनी , ग्रीन फिरोजी , रेड , येलो , सिल्वर आदि रंगों में सज कर आयीं और सबने दीवाली की एक दूसरे को बधाई दी । डॉ सुषमा के के ने कहा दिवाली शरीर का दीवाला निकाल देती है जबकि सहेलियों का साथ एनर्जी देता है इस अवसर पर डॉ अनीता सचदेवा ने कहा महिलाएं दुनिया जहान का ध्यान रखती हैं पर अगर वो अपने रूटीन में सिर्फ 15 मिनट अपने आपको दें तो अपने आप में बदलाव ला सकती हैं । डेली वाक करें एक्सरसाइज़ अपनी क्षमतानुसार करनी चाहिए और अपने श्रम के अनुसार ही अपनी डाइट को प्लान करें । ऐप्पल बीटरूट केरिट (एबीसी प्लान) खाएं चबाकर खायें । जूस के बजाय हर सीजनल फ्रूट खायें जिसमें फाइबर की मात्रा ज़्यादा हो । खाली पेट कुछ ना लें । सबने दिवाली से सम्बंधित गेम्स खेले ।

'एक आसमान, एक अधिकार' प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर। पक्षियों की प्राकृतिक स्वतंत्रता और हर जीव के मौलिक अधिकारों के प्रति समाज में संवेदनशीलता जगाने के उद्देश्य से 'एक आसमान, एक अधिकार' प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में पिंजरे की कैद और 'सोने के पिंजरे' की प्रतीकात्मक प्रस्तुति के माध्यम से आजादी के वास्तविक मायनों को समझाने का प्रयास किया गया।प्रदर्शनी का मुख्य संदेश है कि प्रकृति ने पक्षियों को खुले आसमान में स्वतंत्र रूप से उड़ने के लिए बनाया है। उन्हें शौक के लिए पालतू बनाकर पिंजरे में कैद करना उनकी प्राकृतिक स्वतंत्रता और उड़ने के जन्मसिद्ध अधिकार को छीनने जैसा है। इंस्टालेशन के माध्यम से दर्शकों को यह सोचने के लिए प्रेरित किया गया कि पक्षियों को उनकी प्राकृतिक दुनिया और खुला आसमान मिलना चाहिए।प्रदर्शनी में सोने के पिंजरे की प्रतीकात्मक प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। इसके जरिए मानवीय जीवन के एक गहरे पहलू को दर्शाया गया। संदेश दिया गया कि भौतिक सुख-सुविधाओं और सुरक्षा से भरपूर जीवन भी एक तरह का पिंजरा बन सकता है, जहां व्यक्ति की अपनी मर्जी, आत्मिक सुकून और व्यक्तिगत आजादी छिन जाती है।

मरीजों को निजी मेडिकल स्टोर पर ले जाकर कमीशन वसूलने वाले गिरफ्तार

जयपुर। सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर से दिखाने के नाम पर अपने जाल में फंसाकर निजी मेडिकल स्टोर तक ले जाने और बदले में कमीशन वसूलने वाले गिरोह का सीएसटी टीम ने खुलासा किया है। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने 10 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें से तीन व्यक्तियों की जांच में सही पाए जाने पर उन्हें छोड़ दिया गया, जबकि शेष सात को अग्रिम कार्रवाई के लिए एसएमएस थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने इन सातों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर को दिखाने में मदद करने का झांसा देते थे। इसके बाद उन्हें निजी मेडिकल स्टोर पर ले जाते थे और इस काम के बदले कमीशन वसूलते थे।

अखिलेश की बयानबाजी उनकी राजनीतिक घबराहट का संकेत : सुभाष चंद्र

जयपुर। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राजस्थान प्रदेश प्रभारी सुभाष चंद्र यादव ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले ही उन्हें हार का डर सताने लगा है। इसी घबराहट में वे सुभासपा को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं और सीटों की फर्जी सूची वायरल कर रहे हैं।

- सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि घबराहट में वे सुभासपा को लेकर गलत बयानबाजी कर रहे हैं और सीटों की फर्जी सूची वायरल कर रहे हैं

सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि अखिलेश यादव ओमप्रकाश राजभर और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी की जमीनी ताकत से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभासपा भारतीय जनता पार्टी की अहम सहयोगी पार्टी है और भाजपा का शीर्ष नेतृत्व भी ओमप्रकाश राजभर की राजनीतिक एवं जमीनी ताकत को समझता है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव को सुभासपा की चिंता करने के बजाय अपने गठबंधन और सहयोगी दलों को सम्मान देने पर ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस 181 सीटों की मांग कर रही है। ऐसे में अखिलेश यादव को पहले कांग्रेस के साथ सीटों और गठबंधन से जुड़े मुद्दों को सुलझाना चाहिए। अन्यथा आने वाले समय में कांग्रेस उनके लिए बड़ी राजनीतिक चुनौती बन सकती है।

आजम खान के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए सुभाष चंद्र यादव ने कहा कि आजम खान जेल से बाहर हैं और जमानत पर हैं। यह पूरी तरह कानून की प्रक्रिया के तहत हुआ है। भारत छोड़कर जाने संबंधी उनके बयान पर उन्होंने कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां संविधान और कानून का शासन चलता है। किसी को भी कानून से ऊपर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

देवउठनी एकादशी पर सजे ठाकुरजी

जयपुर। जयनिवास बाग स्थित मंदिर गोविंद देवजी महाराज में शनिवार को देवउठनी एकादशी महोत्सव हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, पंचामृत अभिषेक और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए। श्रीमन्माध गौडेश्वराचार्य महंत मानस गोस्वामी के अनुसार मंगला झांकी से पूर्व ठाकुर श्रीजी का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक किया गया।

मंगला झांकी के बाद सुबह 6:15 बजे माधव गौड़ेश्वराचार्य मानस गोस्वामी ने ठाकुर सालिग्राम जी (नारायण जी) को चांदी की चौकी पर विराजमान कर मंदिर के दक्षिण-पश्चिम कोने में स्थित तुलसी मंच पर लाकर पंचामृत अभिषेक एवं पूजन संपन्न कराया।

अभिषेक के बाद ठाकुर सालिग्राम जी और तुलसी महारानी की आरती कर भोग अर्पित किया गया। इसके बाद दोनों की चार परिक्रमा की गईं। तत्पश्चात ठाकुर सालिग्राम जी को चांदी के रथ में विराजमान कर मंदिर की परिक्रमा कराई गई।

'ऊर्जावान, जागरूक और नशा मुक्त युवा ही राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजी'

जयपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में राजस्थान निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। प्रदेश में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति आमजन को जागरूक करने, युवाओं को नशे से दूर रखने तथा सामाजिक सहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में व्यापक स्तर पर गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

- प्रदेश में 6 हजार 492 नशामुक्ति मित्र सक्रिय, 23 हजार से अधिक शैक्षिणक संस्थानों में पहुंची नशे के विरूद्ध मुहिम
- 1.45 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंचा जागरूकता संदेश, 53 लाख से अधिक युवा शामिल

केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत राजस्थान में अब तक नशामुक्ति पर 2 लाख 94 हजार 536 संकल्प लिए गए हैं। वहीं, 1 करोड़ 45 लाख 70 हजार से अधिक लोगों तक नशे के विरूद्ध जागरूकता का संदेश पहुंचाया गया है। इनमें 53 लाख 66 हजार युवा तथा 35 लाख 89 हजार महिलाएं शामिल हैं। अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अब तक 13 हजार 590 जागरूकता गतिविधियां आयोजित की गई हैं। वहीं, नशामुक्ति के संदेश को नव पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से 23 हजार 460 शैक्षिणक संस्थानों में अभियान संचालित किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जावान, जागरूक और नशा मुक्त युवा ही राष्ट्रीय विकास की वास्तविक पूंजी हैं तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की सबसे बड़ी प्रेरक शक्ति भी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राज्य सरकार युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। उच्च शिक्षण संस्थानों में नशीले पदार्थों की रोकथाम के उद्देश्य से 350 से अधिक महाविद्यालयों, इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों में नई किरण नशा मुक्ति केन्द्र स्थापित किए गए हैं। साथ ही, राज सवेरा कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालयों में नशामुक्ति वार्ड स्थापित किए जा रहे हैं तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जा रही है। वहीं, राजस्थान में 100 सप्ताह के लिए नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन भी संचालित है।

नशा मुक्त भारत अभियान में जनभागीदारी को और अधिक सशक्त बनाने के लिए नशामुक्ति मित्रों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। ये मित्र समाज में जागरूकता, नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण निर्माण तथा नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्तियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाते हैं।

पचास हजार रुपए के इनामी तस्कर सुरेन्द्र साहू गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो साल से फरार चल रहे पचास हजार रुपए के इनामी तस्कर सुरेन्द्र साहू को झारखंड से गिरफ्तार किया है। आरोपी को झारखंड के पलामू जिले के नक्सल प्रभावित हरिहरगंज थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। वह बालोतरा जिले के सिणधरी थाने में दर्ज 261 किलोग्राम डोडा पोस्त तस्करी के मामले में वांछित था। आरोपी ने राजस्थान सहित कई राज्यों में मादक पदार्थ तस्करी का नेटवर्क फैला रखा था।

- दो साल से फरार सुरेन्द्र साहू हरिहरगंज की तेल मिल में छिपा था


राजस्थान पुलिस की सीआईडी क्राइम ब्रांच ने तस्कर सुरेन्द्र साहू को झारखंड से गिरफ्तार किया ।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध शाखा) बिपिन कुमार पाण्डेय के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बिपिन कुमार पाण्डेय के अनुसार इस कार्रवाई के दौरान सहायक उपनिरीक्षक शंकर दयाल शर्मा और हेड कांस्टेबल रविन्द्र सिंह को सूचना के आधार पर दोनों पुलिसकर्मी तीन दिन पहले ही झारखंड पहुंच गए। उन्होंने भेष बदलकर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी और उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई।

दिन दहाड़े घर के ताले तोड़े, सामान चोरी

जयपुर। शहर के जालूपुरा थाना क्षेत्र में बीते दिन एक घर में दिन दहाड़ ताले तोड़ सामान ले गए। परिवादी अब्दुल रशीद ने जालूपुरा थाना में शिकायत दर्ज कर बताया कि शादी के चलते सभी घरवाले काम से बाहर गए हुए थे ।

- शादी के चलते सभी घरवाले काम से बाहर गए हुए थे

परिवादी अब्दुल रशीद अपने घर के आस-पास ही थे । उतने में उनके घर को अकेला पाकर उन्हीं के घरवालों में से उनकी भाभी, भतीजा व 25-30 अन्य लोगों ने घर पर हमला किया व परिवादी से गाली गलोच कर बदतमीजी की। अगले हफ्ते उनके लड़के की शादी है, जिसके कारण घर में सामान और कैश भी रखा हुआ था । परिवादी ने इस मामले में शीघ्र कार्रवाई व गायब हुआ सामान की बरामदी की मांग की है।

विश्व बाल दिवस पर जयपुर में 'मिशन 47' का आगाज़

जयपुर। राजस्थान के भविष्य की तस्वीर अब बच्चे भी गढ़ेंगे। वर्ष 2047 तक विकसित राजस्थान बनाने की परिकल्पना को केवल सरकारी योजनाओं और नीतियों तक सीमित न रखते हुए उसमें बच्चों की सोच, सुझाव और आकांक्षाओं को शामिल करने की पहल शुरू हुई है। विश्व बाल दिवस के अवसर पर जयपुर में 'मिशन 47' का आगाज हुआ। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी और सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने विभिन्न विद्यालयों से आए बच्चों के साथ संवाद किया और जाना कि आने वाले वर्षों में वे अपने राजस्थान को किस रूप में देखना चाहते हैं।

- राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी और सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा ने बच्चों से संवाद किया

संवाद के दौरान बच्चों संजय, स्वरा सिंह जादौन और अतीक्ष चौधरी ने वर्ष 2047 के राजस्थान को लेकर अपने विचार रखे। बच्चों की कल्पनाओं और अपेक्षाओं ने इस चर्चा को एक महत्वपूर्ण सवाल से जोड़ा कि जब आज के बच्चे ही भविष्य के राजस्थान के नागरिक और नेतृत्वकर्ता होंगे तो प्रदेश के विकास की योजना बनाने में उनकी भागीदारी अभी से क्यों न सुनिश्चित की जाए। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा कि राजनीतिक दलों की नीतियों और एजेंडे में बच्चों को भी उचित स्थान मिलना चाहिए।

जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर बैठक

जयपुर। जयपुर की विश्व धरोहर विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं बेहतर प्रबंधन को लेकर शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग रवि जैन ने शनिवार को डीएलबी के कॉन्फ्रेंस हॉल में तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली। बैठक में यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

- यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली स्टेट ऑफ कंजर्वेशन रिपोर्ट 2026-27 की समीक्षा, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान को रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए


शासन सचिव रवि जैन ने डीएलबी के कॉन्फ्रेंस हॉल में तकनीकी विरासत समिति की बैठक ली।

जैन ने कहा कि जयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि यूनेस्को को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट में सभी आवश्यक तथ्यों एवं संरक्षण संबंधी कार्यों को समुचित रूप से शामिल किया जाए। साथ ही, स्पेशल एरिया हेरिटेज प्लान () यूनेस्को की एक महत्वपूर्ण अनिवार्य आवश्यकता है, जिसे रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना है। इसके लिए संबंधित अधिकारी समयबद्ध रूप से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें।

शासन सचिव ने विरासत स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन ऐतिहासिक स्थलों पर आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को बेहतर एवं सुखद अनुभव मिलना चाहिए। इसके लिए नियमित साफ-सफाई, सुव्यवस्थित प्रबंधन एवं आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने विरासत स्थलों एवं उनके आसपास के क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति का प्रभावी दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने के लिए वीडियोग्राफी करवाने के निर्देश भी दिए। साथ ही, विरासत क्षेत्रों में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को गंभीरता से लेते हुए अतिक्रमण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा ऐतिहासिक स्वरूप एवं मूल विरासत संरचना को सुरक्षित रखने पर बल दिया।

बैठक में निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग प्रतीक जुईकर , आयुक्त, नगर निगम जयपुर ओम कसेरा सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं तकनीकी विरासत समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

देवउठनी ग्यारस पर बच्चों को केसर दूध पिलाया

जयपुर। देवउठनी ग्यारस के पावन अवसर पर सामाजिक सरोकारों के तहत नृत्यम फाउंडेशन की ओर से शनिवार को सुल्ताननगर कच्ची बस्ती में सेवा एवं वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान संस्था की ओर से बस्ती में रहने वाले बच्चों, जरूरतमंद परिवारों और अन्य लोगों को केसर युक्त दूध, ताजे फल और मिठाइयां वितरित की गईं। त्योहार के अवसर पर मिली इन सौगातों से बच्चों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम में बस्ती के लोगों ने उत्साह के साथ भाग लिया और संस्था के इस प्रयास की सराहना की। इस अवसर पर फाउंडेशन की संस्थापक काजल सैनी ने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल त्योहारों पर सेवा गतिविधियां आयोजित करना नहीं, बल्कि समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्ग के लोगों के साथ नियमित रूप से जुड़कर उनकी खुशियों में सहभागी बनना है।

बाल सुधार गृह में मोबाइल-गांजा मिलने से हड़कंप मचा

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके के सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह में मोबाइल फोन और नशे की सामग्री मिलने के बाद सुरक्षा व्यवस्था के साथ ही बाल अपचारियों के बाहरी संपर्कों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। 16 नवंबर को जयपुर कमिश्नरेट की सीएसटी टीम ने बाल सुधार गृह में छापेमारी कर तलाशी अभियान चलाया था। इस दौरान बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, चार्जर और गांजा बरामद हुआ था। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बाल अपचारी किन लोगों के संपर्क में थे और कहीं कोई बाहरी आपराधिक नेटवर्क उनका इस्तेमाल तो नहीं कर रहा था।

- गैंगस्टरों के नेटवर्क की आशंका पर जांच
- 50 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम बाल अपचारियों के संपर्क की कर रही पड़ताल

जांच के लिए करीब 50 पुलिसकर्मियों की विशेष टीम बनाई गई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि बच्चे किन-किन लोगों से बातचीत कर रहे थे और उनके संपर्क में कौन लोग हैं। उन्होंने कहा कि अपराधी नाबालिगों का दुरुपयोग करते हैं। इसी को देखते हुए बाल संप्रेक्षण केंद्र में कार्रवाई की गई है। पुलिस बाल सुधार गृहों पर नजर रख रही है, ताकि कोई असामाजिक तत्व बच्चों का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों के लिए नहीं कर सके।

जांच एजेंसियों के सामने आशंका है कि गैंगस्टर सोशल मीडिया, मोबाइल फोन और अपने गुर्गों के माध्यम से कम उम्र के युवाओं से संपर्क बनाते हैं। लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा जैसे गैंगस्टरों के नेटवर्क में नाबालिगों को जोड़ने और उनका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में करने की आशंका को भी पुलिस गंभीरता से देख रही है।